विदाई गीत

नैनों में अँसुवन भरकर हम सब दूर चलें।
गर भूल हुई हो कोई हमसे माफ करें।
नैनों में अँसुवन भरकर हम सब दूर चलें।

घर से प्यारा स्कूल हमारा, जग में लगता सबसे न्यारा।
खेल–खेल में पढ़ी पढ़ाई, बचपन बीत गया है सारा।।
अब सही गलत की समझ आपसे सीख चलें।
नैनों में अँसुवन भरकर हम सब दूर चलें।।

नन्हें भाई बहन ये सारे, आए हैं जो बाद हमारे।
मिल–जुल कर हम पले–बढ़े हैं, इस बगिया के फूल हैं सारे।
अब सौंप के बगिया तुम सबको, हम छोड़ चलें।
नैनों में अँसुवन भरकर हम सब दूर चलें।

माँ जैसी ममता भी पाई, कभी–कभी पर हुई पिटाई।
ज्ञान से भरकर हमें आपने, क्यों कर दी है आज विदाई।
अब जायें जहाँ भी नाम तुम्हारा रोशन करें।
नैनों में अँसुवन भरकर हम सब दूर चलें।
गर भूल हुई हो कोई हमसे माफ करें।
हमें माफ करें, हाँ माफ करें।
नैनों में अँसुवन भरकर हम सब दूर चलें।

RAVI VERMA

Prepared By : - Ravi Verma
email me on :
myselfraviverma@gmail.com